SYLLABUS
M.A. (SANSKRIT) PART-1
(SEMESTER FIRST AND SECOND)
For Session 2017-2018 & 2018-2019
FIRST SEMESTER

COURSE CODE	TITLE OF PAPER	TYPE	L	T	P	HRS	MARKS		CREDITS	DURATION OF EXAM (HRS)
							THEORY	INT. ASS		
SKT CC-101	VAIDIK SAMHITAYE	CC	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT CC-102	VYAKARAN	CC	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT CC-103	BHARTIYA DARSHAN	CC	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT EC-104 OPT(I)	ROOPAK AUR NATYASHASTRA	EC (I)	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT EC-104 OPT (II)	HISTORY OF VAIDIK LITERATURE	EC (II)								
TOTAL			16	4	-	12+3	300	100	16	
GRAND TOTAL							400			

SECOND SEMESTER

COURSE CODE	TITLE OF PAPER	TYPE	L	T	P	HRS	MARKS		CREDIT	DURATION OF EXAM (HRS)
							THEORY	INT. ASS		
SKT CC-105	NIRUKT AUR VAIDIK VYAKARAN	CC	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT CC-106	VYAKARAN AUR BHASHAVIGYAN	CC	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT CC-107	VEDANT AURA UPNISHAD	CC	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT EC-108 OPT(I)	KAVYA AUR KAVYASHASTRA	EC (I)	4	1	-	3+1	75	25	4	3
SKT EC-108 OPT (II)	HISTORY OF SANSKRIT LITERATURE	EC (II)								
TOTAL			16	4	-	12+3	300	100	16	
GRAND TOTAL							400			

Under Choice Based Credit System – CBCS the Open Elective Course (Qualifying)- संस्कृत साहित्य एवं व्याकरण has been put in plays for students of various faculties other than Sanskrit.

There are eight papers and two semesters in M.A. (Sanskrit) Part-I (Four papers in each semester). Each paper carries 100 marks and is of three hours duration. For each paper 75 marks are of Theory and Twenty Five marks are of Internal Assessment, comprising: 10 marks for mid session Tests. 5 marks for class attendance, 5 marks for project work paper reading and 5 marks for Seminar.

core course 101
Paper -1 **वैदिक संहिताएँ**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंकों का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई **२२ अंक**

क-I इस भाग में ऋग्वेद के निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई चार मन्त्र दे कर उन में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। इस भाग के आठ अंक हैं।

क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में उपर्युक्त चार मन्त्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों का संहिता पाठ से पद पाठ करने को कहा जाये। इस भाग क लिए चार अक हैं। (8+4 = 12)

ख-I इस भाग में ऋग्वेद के निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई चार मन्त्र देकर उन में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। इस भाग के छः (6) अंक हैं।

ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में उपर्युक्त चार मन्त्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों का संहिता पाठ से पद पाठ करने को कहा जाये। इस भाग के लिए चार अंक हैं। (6+4 = 10)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

क-I इस भाग में अथववेद के मन्त्रों में से चार मन्त्र दे कर दो का अनुवाद करने को कहा जाये। इस प्रश्न भाग के आठ अंक हैं।

क-I इस प्रश्न के द्वितीय भाग में अथर्ववेद के निर्धारित मन्त्रों में से दो पंक्तियां दे कर एक की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। यह प्रश्न भाग चार अंकों का है।

(8+4 = 12)

ख-I इस इकाई में यजुर्वेद के निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई चार मन्त्र देकर दो का अनुवाद करने को कहा जाये। यह प्रश्न भाग छः (6) अंकों का है।

ख-II इस प्रश्न के द्वितीय भाग में यजुर्वेद के निर्धारित मन्त्रों में से चार पंक्तियां देकर दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। यह प्रश्न भाग पाँच (5) अंकों का है।

(6+5 = 11)

Syllabus and Course of Reading

Unit-I : Hymns from Rigveda (With general reference to Sayana's commentary and Macdonell's Interpretation). The following hymns:
(1.1 Agni), (1.25 Varuna), (1.115 Surya), (1.154 Visnu), (2.12 Indra), (3.61 Usas).
(4.54 Savita), (5.83 Parjanya), (6.53 Pusan), (1.80 Soma), (10.125 Vac) **(22 Marks)**

Unit-II : Atharva Veda : (1.21 Prthvi Sukta)

: Yajurveda: 31.1.16 (Puruse Sukta), 1.6 (Shiv Sankalap Sukta)

(23 Marks)

द्वितीय भागः- **३० अंक**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस (10) लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना

अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के नियमों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें। (3 x 10 = 30 marks)

Prescribed Text Books

1. A Vedic Reader for student: A. A. Macdonell, Motilal Banarasidass, Delhi, 1995.
2. ऋक् सूक्त संग्रह : हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार मेरठ, 1974
3. ऋग्वेदीय सूक्त संग्रह : वेद प्रकाश उपाध्याय, अनुराग प्रकाशन, 131 सन्त रविदास मार्ग, पुरा वैराना, इलाहाबाद, 1985.
4. अथर्ववेद : (व्या. रमानाथ वेदालंकार), गीता मन्दिर ज्वालापुर, हरिद्वार।
5. अथर्ववेद : (सायण भाष्य सहित, हिन्दी अनु. रामस्वरूप गौड़), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
6. पृथिवीसूक्तम् : हिन्दी अनु भारतभूषण शर्मा, ज्योत्सना प्रकाशन, 1240/6 नमक नगर, जम्मू 1977
7. वेद का राष्ट्रीय गीत (पृथिवीसूक्त) : हिन्दी व्या. आचार्य प्रियव्रत, स्वामी श्रद्धानन्द अनुन्धान प्रकाशन केन्द्र, कनखल (हरिद्वार), 1994.
8. यजुर्वेद : (उव्वट, महीधर संस्कृत व्या. तत्तोधिनी हिन्दी टीका), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

Books Recommended For Study

1. डी. आर. चानना, ऋग्भाष्यसंग्रह : मुन्शीराम मनोहर लाल, दिल्ली, 1961.
2. ए. ए. मैक्डानल, वैदिक मायथोलोजी : (हि. अनु. डा. सूर्यकान्त), युगान्तर प्रैस डफरिन पुल, दिल्ली, 1961
3. ए. ए. मैक्डानल, वैदिक मायथोलोजी : (हि. अनु. राम कुमार राय), चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1961

core course 102
Paper -II **व्याकरण**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।

3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम भाग **(२२ अंक)**

क-I इस इकाई-1 में प्रस्तुत लघु सिद्धान्त कौमुदी में संज्ञा प्रकरण, संधि प्रकरण, सुबन्त प्रकरण निर्धारित हैं। इस निर्धारित भाग में से प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत चार संज्ञाएँ देकर दो का सूत्र सहित प्रतिपादन करने को कहा जाये। इस प्रश्न के चार अंक हैं।

क-II इसी भाग के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत संधि प्रकरण से चार सूत्र देकर दो की सोदाहरण व्याख्या करने को कहा जाये इस प्रश्न के चार अंक हैं।

क-III इसी भाग के तृतीय प्रश्न के अन्तर्गत सन्धि प्रकरण में से चार शब्द देकर दो शब्दों की ससूत्र सिद्धि के लिए कहा जाए। (4+4+4 = 12)

ख-I इस भाग में निर्धारित लघुसिद्धान्तकौमुदी के सुबन्त प्रकरण में से कोई चार पद देकर उन में से किन्हीं दो को रूप सिद्धि पक्रिया पूछी जायें। इस प्रश्न के आठ अंक हैं।

ख-II इस इकाई के तृतीय प्रश्न में चार सूत्र देकर उन में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या पूछी जायें इस प्रश्न के दो अंक हैं। (8+2 = 10)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

क-I इस भाग में निर्धारित लघुसिद्धान्तकौमुदी के सुबन्त प्रकरण में से कोई चार पद देकर उन में से किन्हीं दो की रूप सिद्धि प्रक्रिया पूछी जाये। इस प्रश्न के चार अंक हैं।

क-II इस भाग के द्वितीय प्रश्न में चार शब्द लेकर उन में से किन्हीं दो के रूप यथा निर्दिष्ट विभक्ति में पूछे जायें। इस प्रश्न के चार अंक हैं।

क-III इसी भाग के तृतीय प्रश्न में चार सूत्र देकर उन में से किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाये। इस प्रश्न के चार अंक हैं। (4+4+4 = 12)

ख-I इस भाग में निर्धारित सिद्धान्त कौमुदी का कारक प्रकरण निर्धारित है। इस इकाई के प्रथम प्रश्न में कोई छः सूत्र देकर उन में से तीन की सोदाहरण व्याख्या करने को कहा जाये। इस के छः अंक हैं। (2 x 3 = 6)

ख-II इस भाग के द्वितीय प्रश्न में कारक से सम्बद्ध चार उदाहरण देकर दो उदाहरणों का सूत्र निर्देश स्पष्ट करने को कहा जाये। इस के पाँच (5) अंक हैं। (2½ x 2 = 5)

Syllabus and Course of Reading

Unit-I : Sonja Prakarna and Sandhi Prakarana from Laghu Siddhanta Kaumadi. **(22 Marks)**
Subanta from Laghu Siddhanta Kaumadi:
अजन्त पुल्लिंग, अजन्त स्त्रीलिंग, अजन्त नपुंसक-लिंग

Unit-II : Subanta from Laghu Siddhanta Kaumadi: **(23 Marks)**
हलन्त पुल्लिंग (केवल विश्ववाह्, चतुर, मधवन्, राजन्, पथिन्, धीमत्, युष्मद् और अस्मद् शब्द)
हलन्त स्त्रीलिंग (सम्पूर्ण), हलन्त नपुंसलिंग (सम्पूर्ण)
Karaka from Siddhanta kaumadi:

द्वितीय भागः- **३० अंक**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के निमयों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें। (3 x 10 = 30)

Prescribed Text Books

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी : (व्या. धरानन्द शास्त्री) मोतीलाल बनानसीदास, दिल्ली 1985
2. सिद्धान्तकौमुदी : (कारक प्रकरण) : व्या. श्री धरानन्द शास्त्री घिल्डियाल
3. व्याकरणचन्द्रोदय : चारूदेव, शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली 1970

core course 103
Paper -III **भारतीय दर्शन**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। पथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम इकाई **२२ अंक**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत सांख्य कारिका (1-35) निर्धारित हैं। इस निर्धारित भाग में से चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। इस के ग्यारह (11) अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

(ख) इस इकाई के अन्तर्गत सांख्य कारिका (36-72) निर्धारित है। इस में से कोई चार कारिकाएँ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। इस के ग्यारह (11) अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत तर्क-संग्रह निर्धारित है। इस में से चार सूत्र देकर उन में से दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। (6 x 2 = 12)

(ख) इस इकाई में योगदर्शन (प्रथम पाद) निर्धारित है। इस में से कोई चार सूत्र देकर उन में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। इस के तेरह (11) अंक हैं।
(5½ x 2 = 11)

Syllabus and Course of Reading

प्रथम इकाई : सांख्यकारिका (1-72) (22 अंक)
द्वितीय इकाई: तर्क संग्रह (सम्पूर्ण) और योगदर्शन का (प्रथम पाद) (23 अंक)

द्वितीय भागः- **(३० अंक)**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के निमयों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें। (3 x 10 = 30)

Prescribed Text Books

1. सांख्य कारिका : ईश्वरकृष्ण (गौडपादभाष्य, स. हि. व्या. विमला कर्नाटक) चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. तर्क संग्रह : (दीपिका, इन्दुमती, सं. हि टीका) चौखम्भा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. पातञ्जल योगदर्शन : सं. हरिहरानन्रद-मोती लाल बनारसी दास।

Books Recmmended for Study

1. एम हिरियन्ना : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली, 1965
2. बलदेव उपाध्याय : भारतीय दर्शन, चौखम्भा ओरियण्टल, दिल्ली, 1979
3. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1980

Elective course 104
Paper -IV Opt (I) **रूपक और नाट्यशास्त्र**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।

3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंग और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम इकाई **२२ अंक**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1-4 अंक) निर्धारित हैं। निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। इसके ग्यारह अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

(ख) इस इकाई के अन्तर्गत अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5-7) निर्धारित है। निर्धारित अंकों में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। इसके ग्यारह (11) अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत नाट्यशास्त्र का प्रथम अध्याय निर्धारित है, निर्धारित अध्याय में से कोई चार कारिकाएं देकर दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाये। इसके बारह (12) अंक हैं। (6 x 2 = 12)

(ख) इस भाग में दशरूपक का प्रथम प्रकाश (सन्ध्यंगो को छोड़कर) निर्धारित है। इन प्रकाशों में से कोई चार अवतरण देकर दो की सप्रसंग व्याख्या के लिए कहा जाये। इसके तेरह (11) अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and course of reading

प्रथम इकाई : अभिज्ञानशाकुन्तलम् (सम्पूर्ण) (22 अंक)

द्वितीय इकाई: नाट्य शास्त्रम् का प्रथम अध्याय और दशरूपकम् (23 अंक)

(प्रथम प्रकाश में से सन्ध्यंग और तृतीय प्रकाश में से वीथ्यंग नहीं करने हैं।)

द्वितीय भागः-

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के निमयों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें।

Prescribed Text Books

1. अभिज्ञानशाकुन्तल : कालिदास (व्या.) शिवप्रसाद, द्विवेदी, भारतीय बुक कारपोरेशन, दिल्ली, 2000
2. अभिज्ञानशाकुन्तल : कालिदास (संपा.) एम. आर. काले. मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली 1970
3. नाट्यशास्त्र : भरतमुनिकृत मं. बाबू लाल शुक्ला चौखम्बा सीरीज वाराणसी।
4. दश रूपक : धनञ्जय सं डा. भोला शंकर व्यास, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी।

Elective course 104
Paper -IV Opt (II) **वैदिक साहित्य का इतिहास**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंग और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई **(२२ अंक)**

(क) इस भाग के अन्तर्गत वैदिक संहिताएं (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) निर्धारित हैं। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (12 x 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत ब्राह्मण ग्रन्थ निर्धारित है। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस भाग के अन्तर्गत आरण्यक ग्रन्थ निर्धारित है। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए।

(12 x 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत उपनिषद् ग्रन्थ निर्धारित है। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए।

(11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई : (क) वैदिक संहिताएं (ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद) सामान्य विशेषताएं
(ख) ब्राह्मण ग्रन्थ –सामान्य विशेषताएं **(२२ अंक)**

द्वितीय इकाई: (क) आरण्यक ग्रन्थ - सामान्य विशेषताए
(ख) उपनिषद् ग्रन्थ - सामान्य विशेषताएं **(२३ अंक)**

द्वितीय भाग : **(३० अंक)**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।) (3 x 10 = 30)

Books Recommended for Study

1. History of Sanskrit Literature: A.B. Keith or its Hindi Translation by Mangal Motialal Banarsi Das, Delhi 1986
2. History of Sanskrit Literature: A. A. Macdonell, Chowkhamba Vidya Bhawan, Varnasi, 1962
3. History of Sanskrit Literature : M. Winternitz or its Hindi translation by Ram Chander Pandey Subhrajha and Sri Niwas Sharma, Moti Lal Banarsi Dass, Delhi 1986.
4. History of Sanskrit Literature : S. K. De, Calcutta Unviersity, Calcutta 1977.
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास : राधा वल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास : वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास : लेखक, कीथ, हिन्दी अनुवाद डॉ. मंगलदेव शास्त्री, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।

SEMESTER-II

core course 105
Paper -V **निरूक्त और वैदिक व्याकरण**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। पथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई **(२२ अंक)**

क-I इस इकाई में निरुक्त का प्रथम अध्याय निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई चार प्रश्न गद्यांश/मंत्र देकर उन में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। यह प्रश्न आठ अंकों का है।

क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः शब्द देकर उन में से किसी तीन का निर्वचन पूछा जाये। यह प्रश्न चार अंकों का है। (8 + 3 = 11)

ख-I इस भाग में निरुक्त का द्वितीय और सप्तम अध्याय निर्धारित है। इस निर्धारित अध्यायों में से कोई चार प्रश्न गद्यांश/मंत्र देकर उन में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। यह प्रश्न आठ अंकों का है।

ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः शब्द देकर उन में से किसी तीन का निर्वचन पूछा जाये। यह प्रश्न दो अंकों का है। (8 + 3 = 11)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत वैदिक व्याकरण निर्धारित है। निर्धारित विषयों पर कोई चार प्रश्न दकर उनमें से किन्हीं दो का उत्तर पूछा जाये। इस के बारह (12) अंक हैं। 6x2=12

(ख) इस भाग के अन्तर्गत वैदिक व्याकरण निर्धारित है। निर्धारित विषयों में से कोई चार प्रश्न देकर दो का उत्तर लिखने को कहा जाये। यह प्रश्न 11 अंकों का है।(5½ x 2 = 11)

Syllabus and course of reading

प्रथम इकाई : निरुक्त-अध्याय-1, 2, 7 (22 अंक)

द्वितीय इकाई: वैदिक व्याकरण

संधि, शब्द, रूप, धातु, काल (Tense), वृत्ति (moods) की सामान्य विशेषताएँ (23 अंक)

वैदिक व्याकरण क्त्वार्थक - तुमुनार्थक

प्रत्यय (Gerunds and Infinitives)

स्वर (Accents), छन्द (Meters)

द्वितीय भाग:-

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन (3) अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के निमयों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें।

Prescribed Text Books

1. वैदिक व्याकरण : राम गोपाल, नैशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 1973
2. Vedic Grammar for student: A.A. Mecdonell, Moti Lal Banarsi Dass, Delhi, 1995.
3. निरुक्त : (व्या. छज्जूराम शास्त्री) मेहरचन्द लछमणदास, दरियागंज, दिल्ली।

Books Recommended for Study

1. बी. बी. चौबे, वदिक स्वरबोध : वैदिक साहित्य सदन, होशियारपुर, 1972
2. युधिष्ठिर मीमांसक, वैदिकस्वर मीमांसा : रामलाल कपूर ट्रस्ट, बहालगढ़ सोनीपत (हरियाणा), विक्रमी संवत् 2042
3. निरुक्त, व्या. कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, सुभाष बाजार, मेरठ 1985

core course 106
Paper -VI **व्याकरण और भाषा विज्ञान**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम इकाई **(२२ अंक)**

क-I इस भाग में लघुसिद्धान्त कौमुदी के तिङत प्रकरण के निर्धारित गणों के चार पद देकर उन में से किन्हीं दो की रूपसिद्धि प्रक्रिया पूछी जाये। यह प्रश्न आठ अंकों का है। (4 x 2 = 8)

क-II इस भाग के द्वितीय प्रश्न में कोई चार सूत्र देकर उन में से किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाये। यह प्रश्न चार अंकों का है। (2 x 2 = 4)

ख-I इस भाग में लघुसिद्धान्त कौमुदी के तिङत प्रकरण में से चार निर्धारित गणों के चार पाद देकर उन में से किन्हीं दो की रूपसिद्धि लकारों में पूछे जायें। यह प्रश्न छः अंकों का है। (3 x 2 = 6)

ख-II इस इकाई के द्वितीय प्रश्न में चार सूत्र देकर उन में से किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाये। यह प्रश्न चार अंकां का है। (2 x 2 = 4)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस भाग में भाषा विज्ञान के निर्धारित विषयों में से कोई दो प्रश्न देकर उन में से किसी एक का उत्तर पूछा जाये। (11 x 1 = 11)

(ख) इस इकाई में भाषा विज्ञान के निर्धारित विषयों में से कोई दो प्रश्न देकर उन में से किसी एक का उत्तर पूछा जाये। (12 x 1 = 12)

Syllabus and course of reading

प्रथम इकाई : तिङन्त प्रकरण (22 अंक)

(क) भ्वादिगण : सम्पूर्ण

(ख) तिङन्त प्रकरण

1. अदादिगण : अद्,अस्, हन्
2. जुहोत्यादिगण : हु, भी दा
3. दिवादिगण : दिव्, नृत्
4. स्वादिगण : बूञ् चिञ्
5. तुदादिगण : तुद्, मुच्, प्रच्छ
6. रूदादिगण : रूध्, भुज्
7. तनादिगण : तनु, कृ
8. क्रयादिगणा : क्री, ज्ञा
9. चुरादिगण : चुर्, कथ्

द्वितीय इकाई : तुलनात्मक भाषा विज्ञान (२३ अंक)

(क) भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं क्षेत्र, भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ भाषागत परिवर्तन एवं परिवर्तन के प्रकार एवं कारण, भाषा परिवार (केवल रूप रेखा) भारोपीय विचार की भाषाएँ, प्रमुख शाखाएँ तथा उनकी विशेषताएँ (केवल रूपरेखा)

(ख) ध्वनि विज्ञान, ध्वनि विज्ञान की उपयोगिता, ध्वनि परिवर्तन, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ग्रिम नियम, ग्रासमैन नियम।

रूप विज्ञान-शब्द निर्माण, शब्दों के तत्व, धातु और प्रत्यय। वाक्य विज्ञान, वाक्य के आवश्यक तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ, वाक्य परिवर्तन के कारण।

द्वितीय भाग :- (३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है।

इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के नियमों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें।

Prescribed Text Books

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी : (व्या. धरानन्द शास्त्री) मोतीलाल बनानसीदास, दिल्ली 1985
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी : (व्या. मेहरसिंह कुशवाहा) चौखम्भा विद्या भवन, वाराणसी
3. व्याकरणचन्द्रोदय : चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Books Recommended for Study

1. डी. एस. द्विवेदो, भाषा और भाषिकी : प्रशांत प्रकाशन, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, 1974
2. डी. डी. शर्मा, संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक परिचय : हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़, 1974
3. टी. बरो, संस्कृत भाषा (हि. अनु. भोलाशंकर व्यास) : चौखम्भा विद्या भवन वाराणसी, 1965
4. आर. एच. रोबिन्स, सामान्य भाषिकी (हि. अनु. डी. डी. शर्मा) हरियाणा अकादमी, चण्डीगढ़, 1978
5. भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान : किताब महल, इलाहाबाद, 1967
6. देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषा विज्ञान की भूमिका : राधाकृष्ण प्रकाशन, 2 अन्सारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-6
7. F. Maxmulla, The Science of Language (हि. अनु. उदय नारायण तिवारी) : मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1970
8. P. D. Gune : Introduction to comparative : Poona Oriental Book House, Poona, 1962.
9. Sidheshwar Verma. Critical Studis in Phonetic Observation of Ancient Indian Grammarians or Its Hindi translation.
   (प्राचीन भारतीय वैयाकरणों के ध्वन्यात्कम विचारों का आलोचनात्मक अध्ययन) : हि. अनु. डी. डी. शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ, 1978
10. श्यामदेव पराशर, संस्कृत तथा पंजाबी के पारस्परिक सम्बन्ध : विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर, 1990
11. डी. डी. शर्मा, भाषिकी और संस्कृत भाषा : हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़।
12. डा. प्रेम प्रकाश सिंह, पंजाबी भाषा दा स्रोत अते बणतर : पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला।

core course 107
Paper -VII **वेदान्त और उपनिषद्**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम इकाई **२२ अंक**

(क) इस भाग में वेदान्तसार (प्रारम्भ से एवमध्यारोपः तक) निर्धारित हैं। इस में से कोई चार अवतरण देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (5½ x 2 = 11)

(ख) इस भाग में वेदान्तसार (अपवादो नाम से अन्त तक) निर्धारित हैं। इस में से कोई चार अवतरण देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (5½ x 2 = 11)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस भाग में कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली व द्वितीय वल्ली) निर्धारित है। इस में से कोई चार अवतरण देकर दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (6 x 2 = 12)

(ख) इस भाग में कठोपनिषद् (तृतीय वल्ली) निर्धारित हैं। इनमें से कोई चार अवतरण देकर दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and course of Reading

प्रथम इकाई : (क) वेदान्तसार (प्रारंभ से एवमध्यारोप तक) (22 अंक)
(ख) वेदान्तसार (अपवादो नाम से अन्त तक)

द्वितीय इकाई : कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय की प्रथम व द्वितीय वल्ली, तृतीय) (23 अंक)

द्वितीय भाग :- **(३० अंक)**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के नियमों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें।

Prescribed Text Books

1. वेदान्तसार: सदानन्द (स. हि. व्याख्या राम गोबिन्द शुक्ल) भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।
2. वेदान्तसार: सदानन्द (स. राममूर्ति शर्मा) नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, 23 दरियागंज, नई दिल्ली।
3. कठोपनिषद् : (शंकर भाष्य सहित, हिन्दी आंगल अनु राम रंग शर्मा) भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।

Books Recommended for Study

1. एम. हिरियन्ना : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1995
2. बलदेव उपाध्याय : भारतीय दर्शन, चौखम्भा ओरिएंटल, दिल्ली, 1979
3. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा : भारतीय दर्शन की रूपरेखा, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली 1982
4. राधाकृष्ण : भारतीय दर्शन, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली।
5. उमेश मिश्र : भारतीय दर्शन, राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन भवन, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ।

Elective course
Paper - VIII Opt (I) **काव्य और काव्य शास्त्र**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। पथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम इकाई **(२२ अंक)**

(क) इस भाग के अन्तर्गत किरातार्जुनीयम् का प्रथम सर्ग निर्धारित है। इस सर्ग में से कोई चार श्लोक देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (6x 2 = 12)

(ख) इस भाग के शिशुपालवधम् का प्रथम सर्ग निर्धारित है। इस सर्ग में से कोई चार श्लोक देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (5½ x 2 = 11)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस भाग में साहित्य दर्पण का प्रथम और द्वितीय परिच्छेद निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएँ देकर उन में से दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। (6 x 2 = 12)

(ख) इस इकाई में साहित्य दर्पण के दशम परिच्छेद में से निर्धारित अलंकारों (भदोपभेद रहित) में से कोई चार अलंकार देकर उन में से दो की परिभाषा और उदाहरण सहित स्पष्ट व्याख्या करने को कहा जाये। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and course of reading

प्रथम इकाई : किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) और शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)(22 अंक)

द्वितीय इकाई : साहित्यदर्पण (प्रथम और द्वितीय परिच्छेद) और (23 अंक)
साहित्यदर्पण (दशम परिच्छेद)

दशम परिच्छेद से निम्नलिखित अलंकारों (भेदोपभेद रहित) के लक्षण और उदाहरण अपेक्षित हैं- अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान, संदेह, अपहनुति, दृष्टान्त, निदर्शना, व्यतिरेक, समासोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति, अर्थान्तरन्यास, संकर तथा संसृष्टि

द्वितीय भाग :- **(३० अंक)**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। पत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के नियमों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें।

Prescribed Text Books

1. किरातार्जुनीयम् : भारवि; मल्लिनाथकृत घण्डापथ संस्कृत टीका तथा बदरी नारायण मिश्र कृत हिन्दी टीका सहित, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1987
2. किरातर्जुनीयम् : भारवि; (व्या.) असलधारी सिंह, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।
3. शिशुपालवधम् : सं. शारदा चतुर्वेदी चौखम्भा संस्कृत सीरीज वाराणसी।
4. साहित्यदर्पण : विश्वनाथ; (व्या.) शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल, बनारसी दास दिल्ली, 1977
5. साहित्यदर्पण : विश्वनाथ; (व्या.) निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1989

Books Recommended for Study

1. भारविकाव्य में अर्थान्तरन्यास, उमेश प्रसाद रस्तोगी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1965
2. Bharavi And Kiratarjuniya: A Critical Study: Saktipandhar. Sundrit Pustak Bhngdhar Calcutta, 1983.
3. साहित्यदर्पणकोष : रमण कुमार शर्मा, विद्यानिधि प्रकाशन, खजूरीखास, दिल्ली 1996
4. साहित्यदर्पण : विश्वनाथ; (व्या.) सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1976
5. साहित्यदर्पण (लोचन तथा विज्ञप्रिया टीका सहित) : विश्वनाथ;

Elective course
Paper - VIII Opt (II) **संस्कृत साहित्य का इतिहास**

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई **(२२ अंक)**

(क) इस भाग के अन्तर्गत वेदांग (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, ज्योतिष, छन्द)निर्धारित है। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (12 x 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत पौराणिक साहित्य निर्धारित हैं। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

(क) इस भाग के अन्तर्गत धर्मशास्त्र (मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति, कौटिल्य अर्थशास्त्र)निर्धारित है। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (12 x 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत आयुर्वेद (चरकसंहिता, सुश्रुतसंहिता, अष्टांगहृदय) निर्धारित है। निर्धारित विषयों की सामान्य विशेषताओं से सम्बद्ध कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई : (क) वेदांग (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, ज्योतिष, छन्द) सामान्य विशेषताएं
(ख) पौराणिक साहित्य -सामान्य विशेषताएं (**२२ अंक**)

द्वितीय इकाई: (क) धर्मशास्त्र(मनुस्मृति,याज्ञवल्क्यस्मृति,कौटिल्यअर्थशास्त्र)- सामान्य विशेषताए
(ख)आयुर्वेद(चरकसंहिता,सुश्रुतसंहिता,अष्टांगहृदय)-सामान्यविशेषताएं (**२३ अंक**)

द्वितीय भाग : **(३० अंक)**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।) (3 x 10 = 30)

Books Recommended for Study

1. History of Sanskrit Literature: A.B. Keith or its Hindi Translation by Mangal Motialal Banarsi Das, Delhi 1986
2. History of Sanskrit Literature: A. A. Macdonell, Chowkhamba Vidya Bhawan, Varnasi, 1962
3. History of Sanskrit Literature : M. Winternitz or its Hindi translation by Ram Chander Pandey Subhrajha and Sri Niwas Sharma, Moti Lal Banarsi Dass, Delhi 1986.
4. History of Sanskrit Literature : S. K. De, Calcutta Unviersity, Calcutta 1977.
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास : राधा वल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास : वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास : लेखक, कीथ, हिन्दी अनुवाद डॉ. मंगलदेव शास्त्री, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
8. संस्कृत साहित्यविमर्श : द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री, गुरुकुल वृन्दावन स्नातक शोध संस्थान, ए-5/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007
9. संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास : पुष्पा गुप्ता (लेखिका), ईस्टर्न बुक बाज़ार मेरठ।

सेतु पाठ्यक्रम (Bridge course)
2017-18 & 2019

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35% Time Allowed : 3 Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और मौखिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। पत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है:-

प्रथम इकाई **२२ अंक**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत नीतिशतक (1-50 श्लोक) निर्धारित हैं। निर्धारित पाठ्यक्रम में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। इसके ग्यारह अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

(ख) इस इकाई के अन्तर्गत श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीय अध्याय(11 से 72 श्लोक) निर्धारित है। निर्धारित अंकों में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाये। इसके ग्यारह (11) अंक हैं। (5½ x 2 = 11)

द्वितीय इकाई **(२३ अंक)**

क(।) इस इकाई के अन्तर्गत शब्द रूपों (राम, हरि, साधु, पितृ, लता, वधू, नदी, ज्ञानम्, मधु, दधि) में से कोई 4 शब्दरूप देकर 2 शब्दरूप लिखने को कहा जाए। अंक - 6

क(।।)शब्द रूपों (तत्, यत्, किम्, अस्मद्, युष्मद्, राजन्, सरित्, महत्, मनस्, जगत्) में से कोई 4 शब्दरूप देकर 2 शब्दरूप लिखने को कहा जाए। अंक - 6

इसके बारह (12) अंक हैं। (6 x 2 = 12)

ख(।) इस भाग में धातु रूपों (भू, गम्, हस्, वद्, पा, दा, दृश्, कथ्, स्था, पठ्) में से कोई 4 धातुरूप देकर 2 धातुरूप लिखने को कहा जाए। अंक - 6

ख(।।) लट्, लोट्, लंग्, विधिलिंग्, लंग् लकारो में धातु रूपों (नम्, खेल्, स्मृ, कृ, तुद्, चुर्, नय्, ज्ञा, भज्, दुह) में से कोई 4 धातुरूप देकर 2 धातुरूप लिखने को कहा जाए। अंक - 5

इसके (11) अंक हैं। (6+5 = 11)

Syllabus and course of reading

प्रथम इकाई : नीतिशतक (1-50 श्लोक),
श्रीमद्भगवद्गीता द्वितीय अध्याय(11 से 72 श्लोक) (22 अंक)

द्वितीय इकाई: क. शब्द रूपों (राम, हरि, साधु, पितृ, लता, वधू, नदी, ज्ञानम्, मधु, दधि)
(तत्, यत्, किम्, अस्मद्, युष्मद्, राजन्, सरित्, महत्, मनस्, जगत्)
ख. धातु रूपों (भू, गम्, हस्, वद्, पा, दा, दृश्, कथ्, स्था, पठ्)
(नम्, खेल्, स्मृ, कृ, तुद्, चुर्, नय्, ज्ञा, भज्, दुह) (23 अंक)

द्वितीय भागः-

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जायें। इन में से कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक प्रश्न के तीन अंक होंगे। ये प्रश्न उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के

अन्तर्गत आये विषयों से सम्बद्ध हों। दो लघु प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में लिखना अनिवार्य है। इस भाग की तैयारी करवाते समय व्याकरण के निमयों के आधार पर अध्यापक विद्यार्थियों में संभाषण की योग्यता भी विकसित करें।

Prescribed Text Books

1. भर्तृहरि, नीतिशतक, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. श्रीमद्भगवद्गीता गीताप्रेस, गोरखपुर
3. द्विवेदी, कपिलदेव, 'प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4. त्रिपाठी, ब्रह्मनन्द, 'रूपचन्द्रिका', चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. चक्रधर, हंस, 'बृहद् अनुवाद चन्द्रिका', चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मिश्र, हरेकान्त, 'बृहद् धातुकुसुमाकर', चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।